ESIP NEWS CLIPPINGS PUBLISHED IN PRINT & ELECTRONIC MEDIA

1. *सरगुजा-संभाग ब्यूरो संवाददाता*
बलरामपुर से दीपक जायसवाल की खबर...
✍️✍️✍️✍️✍️✍️✍️✍️✍️

छत्तीसगढ़||बलरामपुर :- भारतीय वानिकी अनुसंधान के द्वारा कृषि विकास पर बलरामपुर जिले के 8 गाँवो में प्रशिक्षण संपन्न...

👇 👇 👇 👇 👇 👇 👇 👇 👇 👇 👇

https://ind27news.com/training-on-agricultural-development-conducted-by-indian-forestry-research-in-8-villages-of-balrampur-district/

2.

भारतीय वानिकी अनुसंधान के द्वारा कृषि विकास पर बलरामपुर जिले के 8गाँवो में प्रशिक्षण संपन्न

https://nayabharat.live/__trashed-4/

3. Organisation Of Stakeholders Consultation And Expert Workshops For Capacity Building Of State Forest Department Of Chhattisgarh For Preparation Of State REDD+ Action Plan
http://www.thehawk.in/states/uttarakhand-news/organisation-of-stakeholders-consultation-and-expert-workshops-for-capacity-building-of-state-forest-department-of-chhattisgarh-for-preparation-of-state-redd-action-plan-207240

4. *सुदूर वनांचल ग्रामों में ईएसआईपी के अंतर्गत सतत् भूमि एवं पारितंत्र प्रबंधन हेतु प्रशिक्षण*
https://vedantsamachar.in/?p=29005
.....
वेदांत समाचार के साथ क्राइम,राजनीतिक,देश-दुनिया,खेल ,एंटरटेनमेंट,स्वास्थ्य,सामाजिक,धार्मिक एवं तमाम बड़ी खबरों के साथ सबसे पहले सबसे तेज़ बने रहने के लिए व्हाट्सअप पर ज्वाइन करें

👇 👇 👇 👇 👇 👇

https://chat.whatsapp.com/HvmciadNNPYHSojmH8feLJ
Join us on Telegram

👇 👇 👇 👇 👇 👇 👇 👇

https://t.me/joinchat/F8TCVinkZo8zckRN

5.

भारतीय वानिकी अनु संसाधन एवं शिक्षा परिषद (आईसीएफआरई) देहरादून द्वारा परिथितिकी तंत्र सेवा सुधार परियोजना (ईएसआईपी) के अंतर्गत सतत भूमि एवं पारितंत्र प्रबंधन हेतु छत्तीसगढ के ईएसआईपी क्षेत्रों में आजीविका सृजन एवं जय विविधता संरक्षण हेतु लाख की खेती तथा शतक भूमि उत्पादक्ता हेतु एकीकृत कृषि विकास जिसमें जैविक खेती जैविक कीटनाशक एवं जैविक उर्वरक बनाने का प्रशिक्षण

https://www.khabarchhattishgarh.com/2021/02/korba_4.html

6.
Circle
कबीरधाम अपडेट: लाख की खेती करने बैगा आदिवासीयों को दिया जा यहा प्रशिक्षण।
https://circle.page/post/4624915?utm_source=an&person=5054695

अपने शहर का अपना ऐप, अभी डाउनलोड करें-
https://circleapp.page.link/jTpt

7.
अमलीटोला में वानिकी अनुसंधान और शिक्षा परिषद देहरादून द्वारा आदिवासियों को दिया गया प्रशिक्षण

क्लिक करें 👇 https://public.app/s/ApCjR

अपने क्षेत्र कवर्धा की खबरों के लिए डाउनलोड करें पब्लिक (Public) ऐप
https://goo.gl/K25sy1

8
https://www.naidunia.com/chhattisgarh/bilaspur-biodiversity-of-chhattisgarh-forest-will-be-found-from-carbon-stocks-6630859

9.
https://epaper.naidunia.com/mepaper/26-dec-2020-71-bilaspur-edition-bilaspur-page-10.html

10.
https://epaper.naidunia.com/mepaper/25-dec-2020-71-bilaspur-edition-bilaspur-page-18.html

11.
http://epaper.navabharat.news/news/198706/5fc93f9ab9966

12.
http://madhyabhoomikeboal.com/?p=28672

जिला गौरेला पेंड्रा मरवाही में देहरादून के प्रशिक्षक दे रहे लाख उत्पादन का प्रशिक्षण 182 से अधिक हितग्राही को मिलेगा लाभ

13.

पसान: पारिस्थितिक तंत्र सेवा सुधार परियोजनाएं ई.एसआई.पी कार्यक्रम हुआ संपन्न

https://korianews.blogspot.com/2020/12/blog-post.html

भारतीय वानिकी अनुसंधान के द्वारा कृषि विकास पर बलरामपुर जिले के 8 गाँवो में प्रशिक्षण संपन्न,

सतत् भूमि उत्पादक हेतु एकीकृत कृषि विकास पर प्रशिक्षण कार्यक्रम किया गया ...

नरेंद्र मिश्रा

बलरामपुर - जिले के वाड्रफनगर विकास खण्ड में "द वर्ल्ड बैंक" के द्वारा पारिस्थितिक तंत्र सेवा सुधार परियोजना (ई.एस.आई.पी.) के तहत आजीविका सृजन एवं जैव विविधता संरक्षण हेतु लाख की खेती के अंतर्गत सतत् भूमि एवं पारितंत्र प्रबंधन हेतु छत्तीसगढ़ के ई. एस. आई. पी. क्षेत्रो में सतत् भूमि उत्पादकता हेतु कृषि विकास पर प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न जिसके आयोजक भारतीय वानिकी अनुसंधान केंद्र देहरादून से आये टीम के द्वारा कराया गया । जिसमे भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद देहरादून द्वारा पारिस्थितिकी तंत्र सेवा सुधार परियोजना के अंतर्गत सतत् भूमि एवं पारितंत्र प्रबंध हेतु छत्तीसगढ़ के ई.एस. आई. पी. क्षेत्रो में आजीविका सृजन एवं जैवविविधता संरक्षण हेतु लाख की खेती तथा सतत् भूमि उत्पादकता हेतु एकीकृत कृषि विकास जिसमे जैविक कीटनाशक एवं जैविक उर्वरक बनाने का प्रशिक्षण दिया गया । यह प्रशिक्षण छत्तीसगढ़ प्रदेश 35 गांवो में दिया जाना था जिसमे छत्तीसगढ़ प्रदेश के बलरामपुर जिले वाड्रफनगर विकास खण्ड में आठ गांव चयनित था , जिसमे बलरामपुर वनमण्डल के रघुनाथनगर वनपरिक्षेत्र के रमेशपुर ,शंकरपुर , नौगई , गिरवानी , केसारी , रघुनाथनगर तथा बभनी ग्राम पंचायत में परिस्थीकितंत्र सेवा सुधार परियोजना संचालित की जा रही है । दिनांक 12 मार्च 2020 को ग्राम पंचायत रामेशपुर और शंकरपुर तथा 13 मार्च को केसारी ,गिरवानी , शंकरपुर , नवगई , रामेशपुर , रघुनाथनगर और ग्राम पंचायत बभनी में ग्रामीणों को लाख की आधुनिक पद्धति से खेती कर प्रति वृक्ष अधिकतर पैदावर कैसे प्राप्त करें इस संबंध में ग्राम मंगल संस्थान सिवनी से पहुचे प्रशिक्षक धनसिंह राहंगडाले तथा जबलपुर ब्रांच से महेंद्र बिसेन द्वारा व्यवहारिक एवं सैद्धान्तिक प्रशिक्षण दिया गया । हितग्राहियों को अपने गांव में स्थानीय वास्पतियो , गाय - गोबर तथा गौ- मूत्र से जैविक खाद (मृत पानी) कीटनाशक दवा (दशपर्णी) एवं नीम अस्त्र बनाने का प्रशिक्षण डब्लू ओ टी आर संस्था के प्रशिक्षक महेंद्र राठौर और देवेन्द्र वैरागी के द्वारा की गई । इस अवसर पर भारत सरकार के उपक्रम भारतीय वानिकी अनसंधान एवं शिक्षा परिषद देहरादून से आये राघवेंद्र बिसेन , डॉ, निविदिता मिश्रा थपलियाल , सुबास गोदियाल तथा डॉ गुरवीन अरोड़ा के द्वारा क्षेत्र में किये जा रहे कार्यों के महत्व पर बिस्तृत प्रकाश डाला । प्रशिक्षण के दौरान ग्रामीणों को लवकी , कद्दू पालक, तुरई , धनिया , भिन्डी और मुली के बिज उनके बाड़ी में लगाने हेतु बाटे गए । इस प्रशिक्षण के दौरान राज्य वन विभाग की टीम ने भी भा

कांग्रेस के पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

महामंत्री नीरज तिवारी को बनाया गया है ब्लॉक कांग्रेस कमेटी राजपुर

मजदूर संघ का अध्यक्ष, कन्नीलाल जायसवाल को अन्य पिछड़ा वर्ग

मिलजुल कर सभी लोग काम करें ताकि मिशन 2023 में हम सफलता की नई ऊंचाइयों को छू सकें।

कृषि विकास पर बलरामपुर जिले के 8 गाँवो में प्रशिक्षण संपन्न

भारतीय वानिकी अनुसंधान के द्वारा किया गया प्रशिक्षण कार्यक्रम

वाड्रफनगर। 15 मार्च। रिहन्द समाचार।

बलरामपुर जिले के वाड्रफनगर विकास खण्ड में 'द वर्ल्ड बैंक' के द्वारा पारिस्थितिक तंत्र सेवा सुधार परियोजना (ई.एस.आई.पी.) के तहत आजीविका सृजन एवं जैव विविधता संरक्षण हेतु लाख की खेती के अंतर्गत सतत् भूमि एवं पारितंत्र प्रबंधन हेतु छत्तीसगढ़ के ई. एस. आई. पी. क्षेत्रो में सतत् भूमि उत्पादकता हेतु कृषि विकास पर भारतीय वानिकी अनुसंधान केंद्र देहरादून से आये टीम के द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न कराया गया।

इसमे भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद देहरादून द्वारा पारिस्थितिकी तंत्र सेवा सुधार परियोजना के अंतर्गत सतत् भूमि एवं पारितंत्र प्रबंध हेतु छत्तीसगढ़ के ई.एस.आई.पी. क्षेत्रो में आजीविका सृजन एवं जैवविविधता संरक्षण हेतु लाख की खेती तथा सतत् भूमि उत्पादकता हेतु एकीकृत कृषि विकास जिसमे जैविक कीटनाशक एवं जैविक उर्वरक बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। यह प्रशिक्षण छत्तीसगढ़ प्रदेश के 35 गांवो में दिया जाना था जिसमे छत्तीसगढ़ प्रदेश के बलरामपुर जिले के वाड्रफनगर विकास खण्ड में आठ गांव चयनित थे।

इनमें बलरामपुर वनमण्डल के रघुनाथनगर वनपरिक्षेत्र के रमेशपुर, शंकरपुर, नौगई, गिरवानी, केसारी, रघुनाथनगर तथा बभनी ग्राम पंचायत में परिस्थीकि तंत्र सेवा सुधार परियोजना संचालित की जा रही है। 12 मार्च को ग्राम पंचायत रमेशपुर और शंकरपुर तथा 13 मार्च को शेष 6 गांवों में ग्रामीणों को लाख की आधुनिक पद्धति से खेती कर प्रति वृक्ष अधिकतर पैदावर कैसे प्राप्त करे इस संबंध में ग्राम मंगल संस्थान सिवनी से पहुचे प्रशिक्षक धनसिंह राहंगडाले तथा जबलपुर ब्रांच से महेंद्र बिसेन द्वारा व्यवहारिक एवं सैद्धान्तिक प्रशिक्षण दिया गया। हितग्राहियों को अपने गांव में स्थानीय वनस्पतियो, गाय - गोबर तथा गौ-मूत्र से जैविक खाद (मृत पानी), कीटनाशक दवा (दशपर्णी) एवं नीम अस्त्र बनाने का प्रशिक्षण डब्लू ओ टी आर संस्था के प्रशिक्षक महेंद्र राठौर और देवेन्द्र वैरागी के द्वारा दी गई।

इस अवसर पर भारत सरकार के उपक्रम भारतीय वानिकी अनसंधान एवं शिक्षा परिषद देहरादून से आये राघवेंद्र बिसेन, डॉ निविदिता मिश्रा थपलियाल, सुबास गोदियाल तथा डॉ गुरवीन अरोड़ा के द्वारा क्षेत्र में किये जा रहे कार्यो के महत्व पर विस्तृत प्रकाश डाला गया। प्रशिक्षण के दौरान ग्रामीणों को लवकी, कद्दू पालक, तुरई, धनिया, भिन्डी और मुख्री के बीज उनके बाड़ी में लगाने हेतु बांटे गए। इस प्रशिक्षण के दौरान राज्य वन विभाग की टीम ने भी भाग लिया।

...की संख्या में रही है। खासकर रायपुर-...च चलने वाली लोकल ...क यात्री जनरल टिकट ...ने 6 दिनों में 15 हजार से ...कटों की बिक्री हो चुकी ... दिनों में इसकी संख्या

रहा सहूलियत

...से यात्रियों को काफी राहत मिली है। पैसेंजर इंक्वायरी काउंटर पर ज्यादातर लोकल ट्रेनों के बारे में पूछताछ करते दिखे।

में और वृद्धि होने की पूरी संभावना है। वहीं इस पर रायपुर रेल मंडल के अधिकारियों ने बताया कि 12 फरवरी से शुरू हुई 12 लोकल ट्रेनों से रविवार को 2 हजार यात्रियों ने व 16 फरवरी को सबसे अधिक 4 हजार यात्रियों ने सफर किया है। अधिकारियों का कहना है कि जैसे जैसे यात्रियों की संख्या में बढ़ोतरी होगी, लोकल ट्रेनों की संख्या में भी बढ़ोतरी की जाएगी।

पटरी पर दौड़ने लगीं। कुछ अधिकारियों का मानना है कि इसकी संख्या 50 तक भी पहुंच सकती है। इससे त्योहारी सीजन में लोकल यात्रियों को आरामदायक लोकल ट्रेन की यात्रा का अवसर मिल सकेगा।

...नी, मोहल्लेवासी परेशान

...सैकड़ों लीटर पानी

...र के साथ हजारों लीटर ... पानी खेल मैदान पर ...इससे दलदल सिवनी ...पास खेल मैदान और ...कों पर पानी भर गया।

...ल्व नहीं खुला ...लिए खाली कराई

...खोलने गए आपरेटर से ...खुला, नट टूट गया था, ... गैलन पानी को खाली ... पानी बहाना पड़ा। ... दुरुस्त कर लिया गया ... आपूर्ति प्रभावित रही। ...ालन अभियंता, जोन ... रायपुर नगर निगम

पहले भी हो चुकी है टंकी से पानी की बरबादी

दलदलसिवनी के शिवम सोनवानी का कहना है, यह पहला मौका नहीं है जब नगर निगम की पानी टंकी से हजारों लीटर पानी सड़क से खेल मैदान तक फिजूल बहा हो। पहले भी इस तरह से पानी की बरबादी हो चुकी है। रहवासियों ने बताया, एक बार तो टंकी में लीकेज को लेकर लोगों को चक्काजाम करना पड़ा, तब जाकर टंकी की रिपेयरिंग हुई। इस बार वाल्व जाम से परेशानी हुई।

वैश्विक जलवायु परिवर्तन न्यूनीकरण में वनों की महत्वपूर्ण भूमिका

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद देहरादून रेड प्लस कार्ययोजना के निर्माण के लिए 17 से 20 फरवरी तक वन मुख्यालय रायपुर में आयोजन किया गया है। कार्यशाला के उद्घाटन समारोह में पीसीसीएफ एवं वन बल प्रमुख राकेश चतुर्वेदी ने मुख्य अतिथि के रूप में अपने उद्बोधन में कहा है कि जलवायु परिवर्तन एक वैश्विक समस्या है। इसके निवारण के लिए सजगता और सावधानी जरूरी है। उन्होंने छत्तीसगढ़ में वन विभाग द्वारा किये जा रहे कार्यों के बारे में विस्तार से ज़ानकारी दी। साथ ही वनबल प्रमुख ने छत्तीसगढ़ को देश का दूसरा कार्बनिक राज्य बनने की ओर अग्रसर होने की बात कही।

उल्लेखनीय है कि विश्व के सभी देशों के जलवायु परिवर्तन विशेषज्ञ तेजी से हो रहे जलवायु परिवर्तन को रोकने की दिशा में कार्य कर रहे हैं।

Intelligence (AI) for Youth Programme, for students studying in Class VI to Class XII at government schools across the country. Accordingly, among the 14 students selected from

Youth Programme, the science teacher and 37 students of the Kuldeep Nigam Higher Secondary School, Narra have completed the Artificial Intelligence course during the

School Bemetara.

According to the School Education Department during lockdown, thousands of students from Chhattisgarh had enrolled themselves for this AI pro-

selected from Government Girls Higher Secondary School, Raipur and Anjali Nirmalkar from Government Higher Secondary School Lenjwara in Bemetara district.

also died on Wednesday night.

Tragic yet was the fact that Triveni was pregnant at the time and her child also died in the womb. They were married just last year.

In the final match between Dhakad
Dhakad Cricket Club Korasi posted a
Team Palari only managed to score 9
a cash prize of Rs 1,0001 along with
Team Palari received Rs 6,001, thir
and third runner up got Rs 1,501 as

'Chhattisgarh is heading to become second carbonic State of nation'

■ Staff Reporter
RAIPUR, Feb 18

A TWO-DAY stakeholders counselling workshop and a two-day experts workshop for capacity building of Chhattisgarh State Forest & Climate change Department for preparation of REDD + Action Plan has been organised under the auspices of Indian Forestry Research and Education Council, Dehradun in Raipur from February 17 to 20, 2021.

APCCF Tapesh Jha addressing the workshop as PCCF Rakesh Chaturvedi and Indian Forestry Research & Education Council Director General A bS Rawat share the dais.

At the inauguration of workshops, Principal Chief Conservator of Forest (PCCF) Rakesh Chaturvedi said climate change is a global issue and it needs awareness and carefulness to resolve the issue. Speaking in details about the works of Forest Department in Chhattisgarh, PCCF Chaturvedi said the state is heading to become second carbonic state of the nation.

Indian Forestry Research & Education Council Director General A S Rawat spoke about various aspects of red plus and the works undertaken by the Council. He also talked about the importance of the workshop.

Additional PCCF Tapesh Kumar Jha stressed up on thinking at global level and resolution at local level to address the issue of climate change. Director (International Cooperation) and Project director, Ecosystem Services Improvement Project, Indian Forestry Research & Education Council Anurag Bhardwaj informed about the objectives of the workshop.

APCCF and Project Director, Ecosystem Services Improvement Project Chhattisgarh Forest Department K Murugan, REDD + Expert VRS Rawat and International Integrated Development Centre Kathmandu Nepal's REDD + Expert Dr Bhaskar Singh Karki and Naveen Bhattarai shared information about drafting of red plus action plan with the participants.

108 Ambulance facility proves

ग्रामीणों को सतत् भूमि एवं पारितंत्र प्रबंधन का दिया गया प्रशिक्षण

पाली @ पत्रिका. भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद (आईसीएफआरई) देहरादून द्वारा पारिस्थितिकी तंत्र सेवा सुधार परियोजना (ईएसआईपी) के अंतर्गत सतत् भूमि एवं पारितंत्र प्रबंधन हेतु छत्तीसगढ़ के ईएसआईपी क्षेत्रों में आजीविका सृजन एवं जैवविविधता संरक्षण हेतु लाख की खेती तथा सतत् भूमि उत्पादक्ता हेतु एकीकृत कृषि विकास जिसमें जैविक खेती, जैविक कीटनाशक एवं जैविक उर्वरक बनाने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

यह प्रशिक्षण छत्तीसगढ़ राज्य के जिला कोरबा के वन मंडल कटघोरा के पाली वन परीक्षेत्र के सुदूर वनांचल ग्रामो कर्रा नवाडिह, कर्रानवापारा, कोडर, परसापानी, जमुनापानी, कन्हैयापारा तथा चनवारीपारा में पारिस्थितिकी तंत्र सेवा सुधार परियोजना दो से छह फरवरी तक संचालित की जा रही है । इसी परिप्रेक्ष्य में शनिवार को ग्राम पंचायत कोडार के ग्राम कोडार तथा जमुनीपानी में ग्रामीणों को भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद देहरादून से आए राज्य समन्वयक परामर्शदाता सतीश कुमार तिवारी, राघवेंद्र बिसेन, डॉ निवेदिता मिश्रा थपलियाल तथा सुभाष गोदियाल द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। उक्त प्रशिक्षण में ग्राम मंगल संस्थान सिवनी के प्रशिक्षक धनसिंह राहंगडाले द्वारा लाख की आधुनिक पद्धति से खेती कर, प्रति वृक्ष अधिक पैदावार लेने के तरीके बताए गए।

प्रशिक्षण में ग्राम कोडार के सरपंच कमल सिंह राज ने प्रशिक्षणार्थियों से प्रशिक्षण में बताई गई बातों को अमल में लाने की अपील की। इस प्रशिक्षण में महिला स्वसहायता समूह ने सहभागिता निभाई।

सतत भूमि एवं पारितंत्र प्रबंधन पर ग्रामीणों को दिया प्रशिक्षण

कार्यशाला में शामिल लोग।

हरिभूमि न्यूज ⏭ पाली

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद देहरादून द्वारा पारिस्थितिकी तंत्र सेवा सुधार परियोजना के अंतर्गत सतत भूमि एवं पारितंत्र प्रबंधन हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इसी के तहत ईएसआईपी क्षेत्रों में आजीविका सृजन एवं जैवविविधता संरक्षण हेतु लाख की खेती और सतत भूमि उत्पादक्ता हेतु एकीकृत कृषि विकास जिसमें जैविक खेती, जैविक कीटनाशक एवं जैविक उर्वरक बनाने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उक्त वन मंडल कटघोरा के पाली वन परीक्षेत्र के सुदूर वनांचल ग्राम करां नवाडिह, करांनवापारा, कोडर, परसापानी, जमुनापानी, कन्हैयापारा तथा चनवारीपारा में संपन्न हुआ। इसी कड़ी में शनिवार को ग्राम पंचायत कोडार के ग्राम कोडार तथा जमुनीपानी में ग्रामीणों को प्रशिक्षण दिया गया। भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद देहरादून से पहुंचे राज्य समन्वयक परामर्शदाता सतीश कुमार तिवारी, परामर्शदाता राघवेंद्र बिसेन, डॉ. निवेदिता मिश्रा, थपलियाल एवं सुभाष गोदियाल की उपस्थिति में प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर प्रशिक्षक धनसिंह राहंगडाले ने लाख की आधुनिक पद्धति से खेती कर प्रति वृक्ष अधिक पैदावार कैसे प्राप्त करें की सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक जानकारी दी। प्रशिक्षण के दौरान ग्रामीणों को हरी साग सब्जी बाड़ी लगाने हेतु बीज वितरण किया जा रहा है।

...की संख्या में
रही है। खासकर रायपुर-
...च चलने वाली लोकल
...क यात्री जनरल टिकट
...ने 6 दिनों में 15 हजार से
...कटों की बिक्री हो चुकी
... दिनों में इसकी संख्या

रहा सहूलियत

...से यात्रियों को काफी राहत मिली है। पैसेंजर इंक्वायरी काउंटर पर ज्यादातर लोकल ट्रेनों के बारे में पूछताछ करते दिखे।

में और वृद्धि होने की पूरी संभावना है। वहीं इस पर रायपुर रेल मंडल के अधिकारियों ने बताया कि 12 फरवरी से शुरू हुई 12 लोकल ट्रेनों से रविवार को 2 हजार यात्रियों ने व 16 फरवरी को सबसे अधिक 4 हजार यात्रियों ने सफर किया है। अधिकारियों का कहना है कि जैसे जैसे यात्रियों की संख्या में बढ़ोतरी होगी, लोकल ट्रेनों की संख्या में भी बढ़ोतरी की जाएगी।

पटरी पर दौड़ने लगीं। कुछ अधिकारियों का मानना है कि इसकी संख्या 50 तक भी पहुंच सकती है। इससे त्योहारी सीजन में लोकल यात्रियों को आरामदायक लोकल ट्रेन की यात्रा का अवसर मिल सकेगा।

...नी, मोहल्लेवासी परेशान

सैकड़ों लीटर पानी

...र के साथ हजारों लीटर पानी खेल मैदान पर ...इससे दलदल सिवनी ...पास खेल मैदान और ...कों पर पानी भर गया।

पहले भी हो चुकी है टंकी से पानी की बरबादी

दलदलसिवनी के शिवम सोनवानी का कहना है, यह पहला मौका नहीं है जब नगर निगम की पानी टंकी से हजारों लीटर पानी सड़क से खेल मैदान तक फिजूल बहा हो। पहले भी इस तरह से पानी की बरबादी हो चुकी है। रहवासियों ने बताया, एक बार तो टंकी में लीकेज को लेकर लोगों को चक्काजाम करना पड़ा, तब जाकर टंकी की रिपेयरिंग हुई। इस बार वाल्व जाम से परेशानी हुई।

...ल्व नहीं खुला ...लिए खाली कराई

...खोलने गए आपरेटर से ...खुला, नट टूट गया था, ... गैलन पानी को खाली ...त्र पानी बहाना पड़ा। ... दुरुस्त कर लिया गया ... आपूर्ति प्रभावित रही। ...पालन अभियंता, जोन ... रायपुर नगर निगम

वैश्विक जलवायु परिवर्तन न्यूनीकरण में वनों की महत्वपूर्ण भूमिका

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद देहरादून रेड प्लस कार्ययोजना के निर्माण के लिए 17 से 20 फरवरी तक वन मुख्यालय रायपुर में आयोजन किया गया है। कार्यशाला के उद्घाटन समारोह में पीसीसीएफ एवं वन बल प्रमुख राकेश चतुर्वेदी ने मुख्य अतिथि के रूप में अपने उद्बोधन में कहा है कि जलवायु परिवर्तन एक वैश्विक समस्या है। इसके निवारण के लिए सजगता और सावधानी जरूरी है। उन्होंने छत्तीसगढ़ में वन विभाग द्वारा किये जा रहे कार्यों के बारे में विस्तार से ज़ानकारी दी। साथ ही वनबल प्रमुख ने छत्तीसगढ़ को देश का दूसरा कार्बनिक राज्य बनने की ओर अग्रसर होने की बात कही।

उल्लेखनीय है कि विश्व के सभी देशों के जलवायु परिवर्तन विशेषज्ञ तेजी से हो रहे जलवायु परिवर्तन को रोकने की दिशा में कार्य कर रहे हैं।

जैविक खेती, कीटनाशक व उर्वरक बनाने का दिया जा रहा प्रशिक्षण

● नवभारत रिपोर्टर | पाली.
www.navbharat.org

भारतीय वानिकी अनु संसाधन एवं शिक्षा परिषद (आईसीएफआरई) देहरादून द्वारा परिथितिकी तंत्र सेवा सुधार परियोजना (ईएसआईपी) के अंतर्गत सतत भूमि एवं पारितंत्र प्रबंधन हेतु छत्तीसगढ़ के ईएसआईपी क्षेत्रों में आजीविका सृजन एवं जय विविधता संरक्षण के लिए लाख की खेती तथा शतक भूमि उत्पादक्ता हेतु एकीकृत कृषि विकास जिसमें जैविक खेती जैविक कीटनाशक एवं जैविक उर्वरक बनाने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है. यह प्रशिक्षण छत्तीसगढ़ जिला वन मंडल कटघोरा के पाली वन परीक्षेत्र के सुदूर वनांचल ग्राम कर्रा, नवाडिह, करांनवापारा, कोडर बरसापानी, जमुनापानी, कन्हैयापारा तथा चनवरीपारा में परीथिति की तंत्र सेवा सुधार परियोजना दो से 6 फरवरी तक संचालित की जा रही है. बुधवार को ग्राम पंचायत कर्रा नवापारा के ग्राम में ग्रामीणों को भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद देहरादून से आए राज्य समन्वयक परामर्शदाता छत्तीसगढ़ मध्य प्रदेश सतीश कुमार तिवारी, परामर्शदाता राघवेंद्र बिसेन, डॉ निवेदिता मिश्रा थपलियाल तथा सुभाष गोदियाल द्वारा क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की महत्व पर विस्तृत प्रकाश डाला. इस प्रशिक्षण में ग्राम मंगल संस्थान सिवनी के प्रशिक्षक धनसिंह द्वारा लाभ की आधुनिक जैविक पद्धति से खेती कर प्रति वृक्ष अधिक पैदावार कैसे प्राप्त करें को सैद्धांतिक एवं प्रयोगी प्रशिक्षण दिया गया.

हितग्राहियों को अपने गांव में स्थानीय वनस्पतियों गाय, गोबर, एवं गोमूत्र से जैविक खाद (अमृत पानी) कीटनाशक दवा दसपडी एवं नीम अस्त्र बनाने का प्रशिक्षण डब्लूओटीआर संस्था के प्रशिक्षक प्रदीप श्रीवास द्वारा प्रदान की गई. इस प्रशिक्षण के उपरांत ग्रामीणों को पालक, गवारफली, मिर्च, तरोई, बरबटी ,लौकी, लाल भाजी एवं भिंडी के बीज बाड़ी के लगाने हेतु बांटे गए. उक्त प्रशिक्षण में उपवन संरक्षक आलोक तिवारी, उप वन मंडल अधिकारी पाली वाईपी डडसेना, डॉ मनोज कश्यप, तकनीकी अधिकारी डॉ अनिल कुमार, वन परीक्षेत्र अधिकारी श्री जोगी, परिक्षेत्र सहायक श्री बतरा व वनरक्षक सुनील कुमार लहरे मौजूद रहे.

कार्यक्रम: कुकदूर में परिचर्चा का आयोजन भी

आत्मनिर्भर बनने आठ गांव के लोगों ने लिया प्रशिक्षण

नेऊर: लोगों को लाख और जैविक खाद का प्रशिक्षण दिया गया।

पत्रिका न्यूज नेटवर्क

patrika.com

नेऊर. पंडरिया ब्लाक के उपतहसील कुकदूर के अंतर्गत वनों में और वनों के आसपास रहने वाले आदिवासी व अन्य ग्रामीणों के दैनिक जीवन में वनों का महत्वपूर्ण स्थान है।

शनिवार को निरीक्षण कुटीर कुकदूर में भारतीय वानिकी अनुसंधान और शिक्षा परिषद देहरादून द्वारा पूर्व में दिए गए वनांचल के सुदूर गांव व पहाड़ी इलाकों में बसे लोगों को जीविकोपार्जन के लिए वनोपज से लाभ लेने के लिए आत्मनिर्भर बनाने प्रशिक्षण दिया गया था। लगभग 8 गावों में लाख का प्रशिक्षण दिया गया। ग्राम अमलीटोला, नेऊर, राहीदाढ़, रोखनी, भंगीटोला, रुखमीददर, अमनिया, ताईतिरनी के लोगों को लाख और जैविक खाद का प्रशिक्षण दिया। लाख प्रशिक्षण उत्पादन धनसिंह राहंगडाले, प्रदीप कुमार श्रीवास द्वारा जैविक दवाई का प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण उपरांत ग्राम कुकदूर में परिचर्चा का आयोजन किया गया, जिसमें कृषि विज्ञान केंद्र कवर्धा से पुरुषोत्तम फार्म मैनेजर द्वारा किसानों को जैविक कृषि पद्धतियों के बारे में विस्तार से जानकारी दिया। भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद देहरादून से परामर्शदाता राजेन्द्र बिसेन ने विश्व बैंक से वित्त पोषित परियोजना परितंत्र सेवा सुधार परियोजना के विषय में विस्तृत जानकारी दी गई।

स्थानीय लोगों में कौशल वृद्धि का लक्ष्य

भारतीय परिषद के डॉक्टर निवेदिता मिश्रा ने बताया कि राज्य वन विभागों, वन विकास एजेसियों ओर स्थानीय समुदायों की वन और भूमि संसाधनों के प्रबंधन में सुधार, लघु वनोपज क्षमता विकास और इन संसाधनों पर निर्भर रहने वाले स्थानीय समुदायों को स्थानीय लाभ प्रदान करने के लिए क्षमता और कौशल वृद्धि का लक्ष्य है। कार्यक्रम में अनुविभागीय अधिकारी वन मंडल देशलहरा, रेंजर जामड़े, डिप्टी रेंजर रुद्र राठौर, वन रक्षक सहित ग्रामीण उपस्थित रहे।

...पग प्रशिक्षण दे रहे हैं. ... शिकायत की. जब सचिव से पूछा ... सहित काफी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे.

वनों की गुणवत्ता सुधार, उत्पादकता वृद्धि की दे रहे जानकारी

● नवभारत प्रतिनिधि | कुई.
www.navbharat.org

पंडरिया ब्लाक के सुदूर वनांचल के जंगल गांवों में बसने वाले वनों में तथा वनों के आसपास व अन्य ग्रामीणों के दैनिक जीवन मे वनों का महत्वपूर्ण स्थान है. वहीं जनसंख्या प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से वनों पर आजीविका के लिए निर्भर है.जिसमें अधिकतर गरीब किसान है उनके पास जीविकोपार्जन के लिए सीमित विकल्प है. स्थानीय समुदायों की वनों पर इतनी अधिक निर्भरता के साथ साथ भारत मे प्रति व्यक्ति वन क्षेत्र विश्व से काफी कम है . भारतीय अनुसंधान और शिक्षा परिषद देहरादून द्वारा सभी गांवों में एकीकृत कृषि विकास आजीविका उत्पादन लाख सवर्धन और ईएसआईपी गांवों के स्थानीय समुदायों के लिए जैव विविधता संरक्षण किया जा रहा. कैसे लाभ लेना है , कैसे लाख बीज तैयार करना है , प्रशिक्षण में वनवासी बैगा आदिवासी समुदाय के लोग समझ रहे हैं. कुकदूर क्षेत्र के जंगल गांवो में रहने वाले लोग लाख,महुआ,चार, शहद चीजों का विक्रय करते है और सही समय तक नहीं रख पाते है पकने से पहले तोड़ देते है जिसका लाभ नही मिल पाता. प्रदीप श्रीवास टेनर द्वारा लाख को कुसुम पेड़ में कैसे तैयार करते हैं और कीड़े मकोड़े से बचाने का तरकीब बता रहे है और जंगल मे पर्यावरण बचाने और पेड़ों की सुरक्षा व्यवस्था करने जिससे पर्यावरण बचा रहे और जंगल के वनोपज से जीविका भी चले सामुदायिक सम्पति संसाधनों में सुधार के लिए छोटे छोटे कामों का वित्तपोषण चैक डेम,नाली के प्लग मिट्टी नमी संरक्षण कार्य जल निकासी लाइन सुधार निर्माण के बारे में बताया. भारतीय परिषद के डॉक्टर निवेदिता मिश्रा ने बताई भारत मे पारितन्त्र सेवाए सुधार परियोजना मध्यप्रदेश तथा छत्तीसगढ़ के चुनिंदा भू भागो में वनों की गुणवत्ता सुधार भू प्रबंधन तथा गैर प्रकास्ट वनोपज में सुधार हेतु चलाया जा रहा है. वह परियोजना इन राज्यों में हरित भारत मिशन के क्रियान्वयन को रणनीतिक रूप से सहायता कर रही है. इसके अन्तर्गत वन क्षेत्रों में कार्बन भंडारण को बढ़ाना एवं पुनः स्थापित करना है. कार्यक्रम में प्रदीप श्रीवास, राज्य सलाहकार सतीश कुमार तिवारी, सलाहकार राघवेंद्र बिसेन,भारतीय परिषद के डॉक्टर निवेदिता मिश्रा, थपरियाल, सुभाष गोदियाल वन अनुसंधान और शिक्षा देहरादून की टीम का वन विभाग पश्चिम पंडरिया के अधिकारी सहयोग कर रहे है.

नेऊर में ग्रामीणों को आजीविका के लिए लाख की खेती का दिया गया प्रशिक्ष

भास्कर न्यूज | पंडरिया

पंडरिया. नेऊर में प्रशिक्षण में उपस्थित ग्रामीण।

भारतीय वन अनुसंधान और शिक्षा परिषद (आईसीएफआरई) देहरादून की ओर से नेऊर में शुक्रवार को प्रशिक्षण कैंप लगाया गया। कैंप में एकीकृत कृषि विकास और आजीविका उत्पादन के लिए लाख संवर्धन का प्रशिक्षण दिया गया। इसमें ग्राम अमनिया, भंगीटोला, रहिदंड, रोखणी, अमनिया टोला, नेऊर, रुखमीदादर और ताईतिरनी के ग्रामीण शामिल हुए। कैंप में वैज्ञानिक ने प्रति पेड़ लाख की अधिक उपज प्राप्त करने के बारे में प्रशिक्षण दिया। ग्राम सिवनी के मंगल संस्थान के प्रशिक्षक धनसिंह राहंगडाले ने खेती की है। ट्रेनर प्रदीप श्रीवास ने ग्रामीणों को खेती का प्रदर्शन किया। इस मौके पर राज्य समन्वय सलाहकार सतीश कुमार तिवारी, सलाहकार राघवेन्द्र बिसेन, भारतीय परिषद की डॉ. निवेदिता मिश्रा और सुभाष गोदियाल ने भी विषय वस्तु की जानकारी दी। साथ ही सब्जी का प्रशिक्षण लेने के दौरान पालक, ग्वारफली, मिर्ची, तुरई, बरबटी, लौकी, भाजी और भिंडी के बीज ग... को उनकी बाड़ी में उपयोग ... के लिए दिया गया। इस दौरान ... विभाग पंडरिया के एसडीओ ... देशलहरा और नेऊर के उप... अधिकारी रुद्र कुमार राठौर, स्था... वन रक्षक परमेश्वर साहू, जय... डहरिया और केतन मरावी ... अन्य उपस्थित रहे।

आजीविका सृजन

जैविक खेती व खाद बनाने का प्रशिक्षण

पत्रिका न्यूज पंच

नेऊर। भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद देहरादून द्वारा पारिथितिकी तंत्र सेवा सुधार परियोजना के अंतर्गत आजीविका सृजन व जैवविविधता संरक्षण के लिए लाख की खेती, सतत् भूमि उत्पादकता के लिए एकीकृत कृषि विकास जिसमें जैविक खेती, जैविक कीटनाशक व जैविक उर्वरक बनाने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

प्रशिक्षण ग्रामीण महिला व पुरुषों को संबोधित करते हुए।

लाख की आधुनिक पद्धति की दी जानकारी

21 जनवरी को ग्राम पंचायत अमनिया के आश्रित ग्राम अमलीटोला में ग्रामीणों को लाख की आधुनिक पद्धति से खेती कर प्रति वृक्ष अधिक पैदावार कैसे प्राप्त करें, इस संबंध में प्रशिक्षक धनसिंह राहंगडाले द्वारा व्यवहारिक व सैद्धांतिक प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान ग्रामीणों को पालक, गवारफली, मिर्च, तुरई, बरबट्टी, लौकी, लाल भाजी व भिंडी के बीज बाड़ी में तैयार करने के लिए बांटे। इस अवसर पर उपवनमण्डलाधिकारी एमसी देशलहरा व सहायक वन परिक्षेत्राधिकारी नेऊर, परमेश्वर साहू, जयसिंह डहरिया व जयलाल मरावी उपस्थित रहे।

नेऊर@पत्रिका. यह प्रशिक्षण छत्तीसगढ़ जिला कबीरधाम के पश्चिम पंडरिया वन परिक्षेत्र वन मण्डल कवर्धा के ग्राम अमलीटोला, नेऊर, अमनिया, राहीडाण्ड, रुख्मीदादर, रोखनी, भंगीटोला और ताईतिरनी ग्रामों में पारिथितिकी तंत्र सेवा सुधार परियोजना संचालित की जा रही हैं।

कार्यक्रम के प्रारंभ में ग्रामीणों द्वारा परंपरागत लोक संगीत व परंपरागत वेशभूषा में लोकनृत्य के माध्यम से प्रशिक्षण में आए अतिथियों का स्वागत किया गया। ग्रामीणों को स्थानीय भाषा में प्रशिक्षण में दी गई। हितग्राहियों को अपने गांव में स्थानीय वनस्पतियों, गाय गोबर व गौमूत्र से जैविक खाद (अमृत पानी), कीटनाशक दवा (दसपर्णी) व नीम अस्त्र बनाने का प्रशिक्षण डब्लूओटीआर संस्था के प्रशिक्षक प्रदीप श्रीवास द्वारा प्रदान की गई। भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून से आए राज्य समन्वयक परामर्शदाता सतीश कुमार तिवारी, परामर्शदाता राघवेन्द्र बिसेन, डॉ. निवेदिता मिश्रा थपलियाल, सुभाष गोदियाल द्वारा क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों के महत्व पर विस्तृत प्रकाश डाला।

6:58 21%
Bilaspur Epaper 26...
epaper.naidunia.com

पर रोक

सीट वह चुनाव ल
है। उन्होंने एसडीएम
रस्त करने की मांग
ने बिना वाद प्रश्न
ात की जांच कराए
वत सरपंच को पद
एसडीएम द्वारा 24
आदेश के खिलाफ
पवन श्रीवास्तव के
याचिका दायर कर
आदेश को चुनौती
र्ती के वकील ने तर्क
को जाति निर्धारण
नहीं है। जाति का
छानबीन समिति ही

भार

मेदारी

गज

राजा पांडेय

ा मोर्चा के झारखंड
न में रायपुर ग्रामीण
ी जिम्मेदारी दी गई
रजनीश सिंह भी
ुड़े रहे हैं। बिलासपुर
ी कार्यकाल कविज
ति सदस्य राजा
मंत्री फिर जिलाध्यक्ष
कविज थे।

कार्बन स्टाक से पता करेंगे छत्तीसगढ़ के जंगल में कितनी है जैव विविधता

बिलासपुर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। कार्बन स्टाक की क्षमता से पता चलता है कि जंगल कितना घना और जैव विविधता वाला है। इसके लिए बीते दो दिनों से प्रदेश के जंगलों में कार्बन स्टाक की क्षमता का मापन किया जा रहा है। देहरादून भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के सदस्यों की ओर से इसके मापन की विधि बताने और प्रशिक्षण देने के लिए प्रदेश के चार वनमंडलों का चयन किया गया है। प्रशिक्षण की शुरुआत मरवाही वनमंडल से कर दी गई है, जहां संयुक्त वन प्रबंधन समिति के सदस्यों व वन कर्मचारियों को बताया गया कि जंगल के अंदर कार्बन का कितना स्टाक है इसे कैसे मापना है।

परिषद के सदस्यों ने संयुक्त वन प्रबंधन समिति के पदाधिकारियों के अलावा जंगल के आसपास रहने वाले ग्रामीणों खासकर महिलाओं के बीच जंगल की महत्ता पर चर्चा की। सदस्यों ने बताया कि जलवायु परिवर्तन के कारण जंगल में भी तेजी के साथ बदलाव आ रहा है। इसमें कार्बन डाइआक्साइड की भूमिका सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है।

जंगल के भीतर पेड़ के अलावा पत्तियों व घास में कार्बन की मात्रा कितनी है इसकी पहचान के लिए प्रशिक्षण भी दिया। सदस्यों ने बताया कि जंगलों में कार्बन स्टाक के पांच प्रमुख कारक होते हैं। पेड़ के अलावा मिट्टी, सूखे पत्ते, घास व झाड़ियां और मिट्टी के भीतर पेड़ों की गहराई तक जमी जड़ें। इसके लिए जंगल के भीतर दशमलव एक हेक्टेयर के क्षेत्र को रस्सी के सहारे गोल घेरा बना दिया जाता है। इस घेरे के भीतर कार्बन स्टाक की मात्रा की पड़ताल करते हैं। घेरे के भीतर पेड़, घास, झाड़ियां, मिट्टी और जड़ों में कार्बन अवशोषण क्षमता की जांच करते हैं। जितना अधिक कार्बन स्टाक होगा उस जंगल में जैव विविधता भी उसी अनुपात में अच्छी मिलेगी। कार्बन स्टाक से तय होता है कि जंगल अपने आप में कितना हरा भरा है।

पड़ताल

- **देहरादून से पहुंचे हैं भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के सदस्य**
- **मरवाही वनमंडल में प्रशिक्षण देने के बाद आज जाएंगे कटघोरा के पाली**

ग्रामीण महिलाओं पर फोकस

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के सदस्य डा. मोहम्मद शाहिद बताते हैं कि इस अभियान के पीछे जंगलों को बचाना और अधिक से अधिक पेड़ लगाना है। जंगल के आसपास रहने वाले ग्रामीण महिलाओं को विशेषतौर पर प्रशिक्षित किया जा रहा है। उन्हें बताया जा रहा है कि सूखी लकड़ियों का उपयोग करें। हरे-भरे पेड़ों को न तो काटें और न ही कटने दें। जंगल जितना घना रहेगा वातावरण उतना स्वच्छ रहेगा। पेड़-पौधे जितना कार्बन डाइआक्साइड का अवशोषण करेगा आसपास का वायुमंडल उतना ही स्वच्छ और साफ रहेगा।

7:55 94%

Bilaspur Epaper 25...
epaper.naidunia.com

logitech
MX MASTER 3
All-new MagSpeed
scroll wheel
LEARN MORE

नईदुनिया
बिलासपुर सिटी

पेट्रोल 83.32
डीजल 80.96

अधिकतम 28.0
न्यूनतम 12.0

घरेलू 783.00
व्यावसायिक 1498.00

न्यूज गैलरी

कार्बन स्टाक क्षमता से पता करेंगे कितनी जैव विविधता वाले व घने हैं प्रदेश के जंगल

देहरादून भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के सदस्यों ने मापने का दिया प्रशिक्षण, प्रदेश के चार वनमंडलों में वनकर्मियों को सिखाएंगे विधि, मरवाही से शुरुआत

18:39

MoEF&CC
7,387 Tweets

Tweets | Tweets & replies | Media | Likes

6 · 31 · 133

MoEF&CC @moefcc · 1h

Field demonstration of carbon assessment sample collection process to JFMC members by @ICFRE team under Ecosystem Services Improvement Project during #Forest Carbon Stock Assessment Training at Raghunathnagar Forest Range, #Chhattisgarh on 21st December 2020.

Prakash Javadekar and 3 others

3 · 9

MoEF&CC @moefcc · 8h

From the launching of #ISA to mobilise countries & resources to provide access to reliable & affordable #solarenerg… distribute LED bulbs under #UJALAProgramme & providing clea…